श्स्वरूपानंद महाविद्यालय में गोल मेज चर्चा का आयोजन

विष्व उपभोक्ता दिवस पर स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय हुडको, भिलाई में जागरूक उपभोक्ता विशय पर गोल मेज चर्चा का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. हंसा षुक्ला ने की एवं महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

प्राचार्या डॉ. हंसा षुक्ला ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस भागती दौड़ती जिन्दगी में हम कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना छोड़ देते हैं जिससे हम कहीं न कहीं अपने मूल्य और अधिकारों को पीछे छोड़ देते है आज के युग में उपभोक्ता को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने की आवष्यकता है, जिससे उपभोक्ता अपने द्वारा भुगतान की गई राषि से सही सेवा और वस्तु प्राप्त कर सके।

कार्यक्रम प्रभारी डॉ. रचना पांडेय ने इस चर्चा के उद्देष्यों पर प्रकाष डालते हुये कहा कि जब हम बाजार सामान खरीदने जाते हैं तो समान खरीदने के नियमों को ध्यान में नहीं रखते है जैसे समान खरीदते समय बिल अवष्य लें एवं रजिस्टर्ड दुकानों से ही समान खरीदें।

प्राध्यापकों ने भी अपने–अपने सुझाव दिये जिसमें डॉ. षमा बेग ने कहा कि सोने चांदी की खरीदी के समय और उसे बेचते समय हमें बिल में नोट कैरेट और मूल्य को ध्यान में रखना चाहिये तथा मेडिकल सामान की खरीदी करते समय एक्सपायरी तिथि को ध्यान में रखना चाहिये।

स.प्रा. श्रीमती सुनीता षर्मा ने पॉलिसी के संदर्भ में बताया कि जब भी पॉलिसी करायें वे विष्वसनीय हो अन्यथा आपका पैसा डूबने की संभावना रहती है। स.प्रा. आरती गुप्ता ने कहा कि यदि आपके पास समान का बिल नहीं है और विक्रेता द्वारा खराब समान वापस नहीं हो रहा है तो आप बातचीत के दौरान अपने वार्तालाप को टेप कर सकते हैं एवं जैसे यदि तबियत खराब होने के दौरान डॉक्टर द्वारा गंभीर बिमारी बताई जाती है तो आप तुरन्त विष्वास न करके दो – चार अन्य डॉक्टरों के भी सलाह अवष्य लें। स.प्रा. नीलम गांधी ने कहा कि क्रय की गई वस्तुओं के ऊपर टोल फ्री नंबर अंकित होता है यदि आपकी वस्तु खराब है तो आप टोल फ्री नंबर पर फोन कर अपनी समस्या का समाधान कर सकते हैं।

श्स्वरूपानंद महाविद्यालय में विष्व कविता दिवस का आयोजन

विष्व कविता दिवस पर स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय हुडको, भिलाई में प्राध्यापकों द्वारा मेरी प्यारी बिटीया एवं विद्याथियों द्वारा देषभक्ति विशय पर कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. हंसा षुक्ला ने की एवं निर्णायकगण के रूप डॉ. श्रीमती षीला षर्मा, प्राध्यापक हिन्दी विभाग, षासकीय महाविद्यालय खुर्सीपार एवं डॉ. निषा षुक्ला विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग, भिलाई महिला महाविद्यालय, भिलाई उपस्थित हुये।

प्राचार्य डॉ. हंसा षुक्ला ने अपने उद्बोधन में कहा कि कविता ममत्व और पीड़ा की अभिव्यक्ति है। विष्व कविता दिवस के आयोजन से कविता के प्रति प्राध्यापकों और विद्यार्थियों में रूचि और उत्साह दिखाई दिया और कहा कि हर नि विषेश होता है लेकिन उनमें से यदि कुछ दिनों को हम आयोजित करते हैं तो लोगों में रचनात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

कार्यक्रम प्रभारी डॉ. रचना पांडेय ने इस प्रतियोगिता के उद्देष्यों पर प्रकाष डालते हुये कहा कि इस भागती–दौड़ती जिंदगी में अपनी अभिव्यक्ति को षब्दों का रूप देने के लिये लोगों के पास समय नहीं है। इस प्रतियोगिता को कराने का हमारा उद्देष्य यही रहा कि अपने भावों को अभिव्यक्त कर सकें और प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया।

जिसमें प्रथम स्थान डॉ. षमा बेग (विभागाध्यक्ष, माईक्रोबायोलॉजी विभाग)का रहा द्वितीय स्थान डॉ. सुनीता वर्मा (विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग), का रहा तृतीय स्थान डॉ. हंसा षुक्ला (प्राचार्य) का रहा।

विद्यार्थियों के लिये कविता का विशय ''देष भक्ति'' था जिसमें प्रथम तनुश्री हसदा, बी.एड चतुर्थ सेमेस्टर, द्वितीय स्थान में रिम्मी सिंह, बीबीए चतुर्थ सेमेस्टर, तृतीय स्थान में पल्लवी भट्टी, बीबीए द्वितीय सेमेस्टरएवं मोईन अलि खान बीबीए चतुर्थ सेमेस्टर का रहा।

निर्णायकों ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुये कहा कि कविता खुषी और दुख दोनो के भावों की अभिव्यक्ति है और कहा कि कविता विष्व को बांधने का सषक्त माध्यम है।

कार्यक्रम में डॉ. रजनी मुद्लियार, डॉ. निहारिका देवांगन, डॉ.ज्योति उपाध्याय, श्रीमती जया तिवारी, श्रीमती सुनीता षर्मा, श्रीमती वनीता महाले, टी. बबीता, राषि षर्मा, एवं पूजा सोढ़ा उपस्थित थे।

स्वरूपानंद में मनाया गया ‘‘पुस्तक वाचन दिवस’’।

पुस्तक वाचन दिवस के अवसर पर पुस्तक वाचन करते प्राचार्य एवं विद्यार्थी।

पुस्तक वाचन दिवस के अवसर पर पुस्तक वाचन करते प्राध्यापकगण।

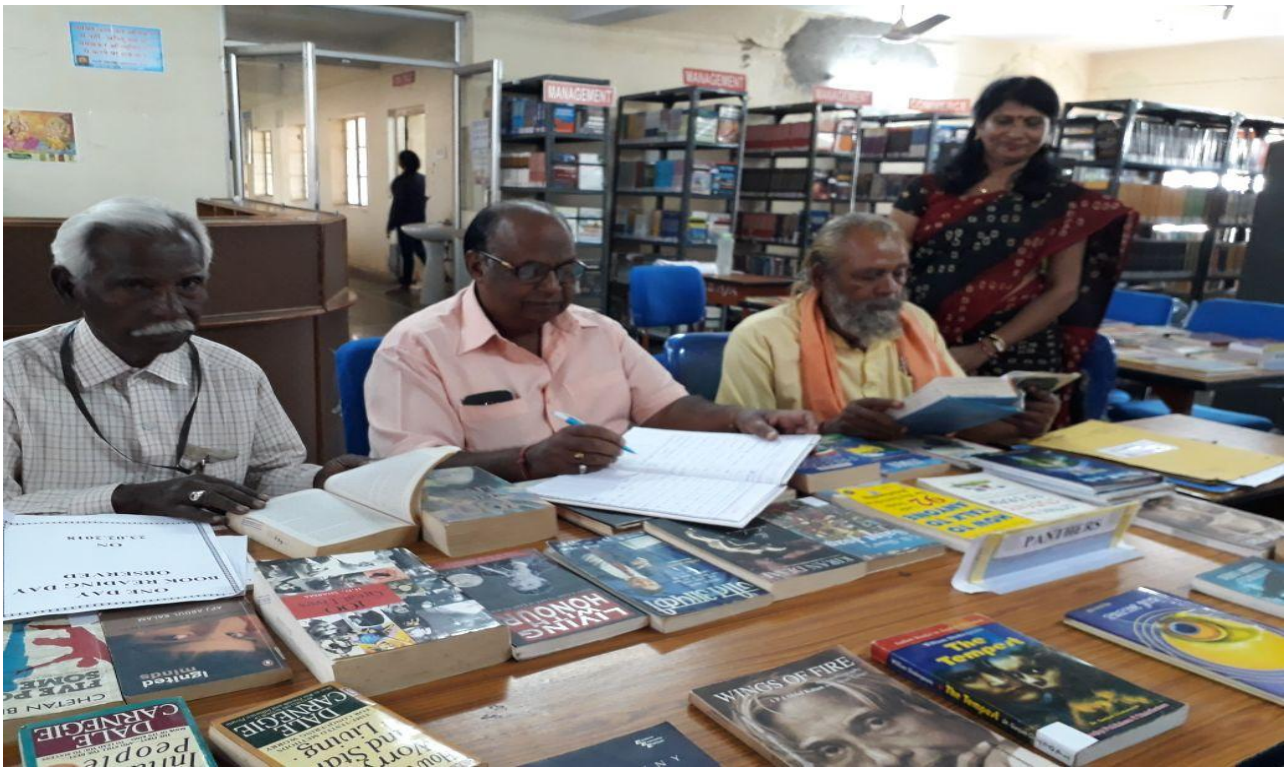

पुस्तक वाचन दिवस के अवसर पर पुस्तक वाचन करते आमंत्रित सदस्य।